भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. 38

(जिसका उत्तर सोमवार, 03 फरवरी, 2025/14 माघ, 1946 (शक) को दिया गया)

आईईपीएफए और एसीसीए के बीच समझौता ज्ञापन

38. श्री तेजस्वी सूर्या:
डॉ. हेमंत विष्णु सवराः
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः
श्रीमती कमलेश जांगड़ेः
श्री योगेन्द्र चांदोलियाः
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरीः
श्री भर्तृहरि महताबः
श्री पी.पी. चौधरीः
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री दामोदर अग्रवालः
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारीः
श्रीमती कृति देवी देबबर्मनः
श्री खगेन मुर्मुः
श्री परषोत्तमभाई रुपालाः
श्री बलभद्र माझीः
श्री अनुराग सिंह ठाकुरः
श्री महेश कश्यपः
श्री प्रवीण पटेलः
श्री अनूप संजय धोत्रेः
श्री तापिर गावः

क्या **कारपोरेट कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्कूल के बच्चों में वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के संदर्भ में विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) तथा दि एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स (एसीसीए) के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन से सरकार को क्या परिणाम मिलने की उम्मीद है;

(ख) "आपके लिए वित्तीय शिक्षा" कार्यक्रम को मौजूदा विद्यालय पाठ्यक्रम के साथ किस प्रकार एकीकृत किया जा सकता है;

(ग) क्या सरकार द्वारा ग्रामीण विद्यालयों में "आपके लिए वित्तीय शिक्षा" कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए कोई रणनीति विद्यमान है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार महाराष्ट्र के पालघर जिले जैसे जनजातीय बहुल क्षेत्र में भी "आपके लिए वित्तीय शिक्षा" कार्यक्रम लागू करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क) से (घ): एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स (एसीसीए) की सहायक कंपनी स्ट्रैटेजिक एजुकेशनल प्रोफेशनल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक डिजिटल कार्यक्रम विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जो स्कूली बच्चों के लिए वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनुभवात्मक शिक्षा पर केंद्रित है। पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से ग्रामीण विद्यालयों सहित चुनिंदा विद्यालयों को यह सामग्री प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। इस कार्यक्रम में स्कूली शिक्षकों के प्रशिक्षण के माध्यम से इस कार्यक्रम की प्रदायगी की परिकल्पना की गई है।

(ङ): सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

*****